

## **Classification of Business Environment: Internal and External (व्यावसायिक वातावरण का वर्गीकरण: आंतरिक और बाहरी)-**

### **Internal Environment:**

Survival of a business depends upon its strengths and adaptability to the environment. The internal strengths represent its internal environment. It consists of financial, physical, human and technological resources. Financial resources represent financial strength of the company. Funds are allocated over activities that maximise output at minimum cost, that is, optimum allocation of financial resources.

### **आंतरिक पर्यावरण:**

किसी व्यवसाय का अस्तित्व उसकी ताकत और पर्यावरण के अनुकूल होने पर निर्भर करता है। आंतरिक शक्तियाँ इसके आंतरिक वातावरण का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसमें वित्तीय, भौतिक, मानव और तकनीकी संसाधन शामिल हैं। वित्तीय संसाधन कंपनी की वित्तीय ताकत का प्रतिनिधित्व करते हैं। निधियों का आवंटन उन गतिविधियों पर किया जाता है जो न्यूनतम लागत पर अधिकतम उत्पादन करती हैं, अर्थात् वित्तीय संसाधनों का इष्टतम आवंटन।

Following factors are considered under Internal environment –

**1. Value System:** The value system of an organisation means the ethical beliefs that guide the organisation in achieving its mission and objective. The value system of the promoters of a business firm has an important bearing on the choice of business and the adoption of business policies and practices.

**वैल्यू सिस्टम:** किसी संगठन की मूल्य प्रणाली का अर्थ उन नैतिक विश्वासों से है जो संगठन को उसके मिशन और उद्देश्य को प्राप्त करने में मार्गदर्शन करते हैं। एक व्यावसायिक फर्म के प्रमोटरों की मूल्य प्रणाली का व्यवसाय की पसंद और व्यावसायिक नीतियों और प्रथाओं को अपनाने पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

**2. Mission and Objectives:** The objective of all firms is assumed to be maximization of long-run profits. But mission is different from this narrow objective of profit maximization. Mission is defined as the overall purpose or reason for its existence which guides and influences its business decision and economic activities.

**मिशन और उद्देश्य:** सभी फर्मों का उद्देश्य लंबे समय तक चलने वाले मुनाफे को अधिकतम करना माना जाता है। लेकिन मिशन लाभ को अधिकतम करने के इस संकीर्ण उद्देश्य से अलग है। मिशन को इसके अस्तित्व के समग्र उद्देश्य या कारण के रूप में परिभाषित किया गया है जो इसके व्यावसायिक निर्णय और आर्थिक गतिविधियों को निर्देशित और प्रभावित करता है।

**3. Organisation Structure:** Organisation structure means such things as composition of board of directors, the number of independent directors, the extent of professional management and share -holding pattern. The nature of organisational structure has a significant influence over decision making process in an organisation. An efficient working of a business organisation requires that its organisation structure should be conducive to quick decision making. Delays in decision making can cost a good deal to a business firm.

**संगठन संरचना:** संगठन संरचना का अर्थ है निदेशक मंडल की संरचना, स्वतंत्र निदेशकों की संख्या, पेशेवर प्रबंधन की सीमा और शेयर-होल्डिंग पैटर्न जैसी चीजें। संगठन में निर्णय लेने की प्रक्रिया पर संगठनात्मक संरचना की प्रकृति का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। एक व्यावसायिक संगठन के कुशल संचालन के लिए आवश्यक है कि इसकी संगठन संरचना त्वरित निर्णय लेने के लिए अनुकूल हो। निर्णय लेने में देरी से एक व्यावसायिक फर्म को अच्छा सौदा करना पड़ सकता है।

**4. Corporate Culture and Style of Functioning of Top Management:** Corporate culture is generally considered as either closed and threatening or open and participatory. In a closed and threatening type of corporate culture the business decisions are taken by top-level managers, while middle level and work-level managers have no say in business decision making. There is lack of trust and confidence in subordinate officials of the company and secrecy pervades throughout in the organisation. As a result, among lower level managers and workers there is no sense of belongingness to the company.

**कॉर्पोरेट संस्कृति और शीर्ष प्रबंधन के कामकाज की शैली:** कॉर्पोरेट संस्कृति को आम तौर पर या तो बंद और धमकी देने वाला या खुला और सहभागी माना जाता है। एक बंद और खतरनाक प्रकार की कॉर्पोरेट संस्कृति में व्यावसायिक निर्णय शीर्ष स्तर के प्रबंधकों द्वारा लिए जाते हैं, जबकि मध्यम स्तर और कार्य-स्तर के प्रबंधकों का व्यावसायिक निर्णय लेने में कोई दखल नहीं होता है। कंपनी के अधीनस्थ अधिकारियों में विश्वास और विश्वास की कमी है और पूरे संगठन में गोपनीयता व्याप्त है। नतीजतन, निचले स्तर के प्रबंधकों और श्रमिकों में कंपनी के प्रति अपनेपन की भावना नहीं होती है।

**5. Quality of Human Resources:** Quality of employees (i.e. human resources) of a firm is an important factor of internal environment of a firm. The success of a business organisation depends to a great extent on the skills, capabilities, attitudes and commitment of its employees. Employees differ with regard to these characteristics. It is difficult for the top management to deal directly with all the employees of the business firm. Therefore, for efficient management of human resources, employees are divided into different groups. The manager may pay little attention to the technical details of the job done by a group and encourage group cooperation in the interests of a company.

**मानव संसाधन की गुणवत्ता:** एक फर्म के कर्मचारियों की गुणवत्ता (अर्थात् मानव संसाधन) एक फर्म के आंतरिक वातावरण का एक महत्वपूर्ण कारक है। एक व्यावसायिक संगठन की सफलता काफी हद तक उसके कर्मचारियों के कौशल, क्षमताओं, दृष्टिकोण और प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। कर्मचारी इन विशेषताओं के संबंध में भिन्न हैं। शीर्ष प्रबंधन के लिए व्यवसाय फर्म के सभी कर्मचारियों के साथ सीधे व्यवहार करना कठिन होता है। इसलिए मानव संसाधन के कुशल प्रबंधन के लिए कर्मचारियों को विभिन्न समूहों में विभाजित किया जाता है। प्रबंधक समूह द्वारा किए गए कार्य के तकनीकी विवरण पर थोड़ा ध्यान दे सकता है और कंपनी के हित में समूह सहयोग को प्रोत्साहित कर सकता है।

**6. Labour Unions:** Unions collectively bargain with top managers regarding wages, working conditions of different categories of employees. Smooth working of a business organisation requires that there should be good relations between management and labour union. Each side must implement the terms of agreement reached. Sometimes, a business organisation requires restructuring and modernisation. In this regard, the terms and conditions reached with the labour union must be implemented in both letter and spirit of cooperation of workers is to be ensured for the reconstruction and modernisation of business.

**श्रमिक संघ:** विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों की मजदूरी, काम करने की स्थिति के संबंध में यूनियनों शीर्ष प्रबंधकों के साथ सामूहिक रूप से सौदेबाजी करती हैं। एक व्यावसायिक संगठन के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक है कि प्रबंधन और श्रमिक संघ के बीच अच्छे संबंध हों।

प्रत्येक पक्ष को पहुंचे समझौते की शर्तों को लागू करना चाहिए। कभी-कभी, एक व्यावसायिक संगठन को पुनर्गठन और आधुनिकीकरण की आवश्यकता होती है। इस संबंध में, यदि व्यापार के पुनर्निर्माण और आधुनिकीकरण के लिए श्रमिकों का सहयोग सुनिश्चित किया जाना है, तो श्रमिक संघ के साथ पहुंचे नियमों और शर्तों को अक्षर और भावना दोनों में लागू किया जाना चाहिए।

**7. Physical Resources and Technological Capabilities:** Physical resources such as plant and equipment, and technological capabilities of a firm determine its competitive strength which is an important factor determining its efficiency and unit cost of production. R and D capabilities of a company determine its ability to introduce innovations which enhance productivity of workers.

**भौतिक संसाधन और तकनीकी क्षमताएं:** भौतिक संसाधन जैसे संयंत्र और उपकरण, और एक फर्म की तकनीकी क्षमताएं इसकी प्रतिस्पर्धी ताकत निर्धारित करती हैं जो इसकी दक्षता और उत्पादन की इकाई लागत का निर्धारण करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है। एक कंपनी की आर और डी क्षमताएं नवाचारों को पेश करने की क्षमता निर्धारित करती हैं जो श्रमिकों की उत्पादकता को बढ़ाती हैं।

### **External Environment:**

The external environment consists of legal, political, socio-cultural, demographic factors etc. These are uncontrollable factors and firms adapt to this environment. They adjust internal environment with the external environment to take advantage of the environmental opportunities and strive against environmental threats. Business decisions are affected by both internal and external environment.

### **बाहरी वातावरण:**

बाहरी वातावरण में कानूनी, राजनीतिक, सामाजिक-सांस्कृतिक, जनसांख्यिकीय कारक आदि शामिल हैं। ये बेकाबू कारक हैं और फर्म इस वातावरण के अनुकूल हैं। वे पर्यावरण के अवसरों का लाभ उठाने और पर्यावरणीय खतरों के खिलाफ प्रयास करने के लिए बाहरी वातावरण के साथ आंतरिक वातावरण को समायोजित करते हैं। व्यावसायिक निर्णय आंतरिक और बाहरी दोनों वातावरणों से प्रभावित होते हैं।

The external environment consists of the micro environment and macro environment (बाहरी वातावरण में सूक्ष्म वातावरण और स्थूल वातावरण शामिल हैं)

**1. Micro Environment/ सूक्ष्म वातावरण:** Micro external forces have an important effect on business operations of a firm. We explain below important factors or forces of micro-level external environment: एक फर्म के व्यावसायिक कार्यों पर सूक्ष्म बाह्य बलों का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। हम सूक्ष्म स्तर के बाहरी वातावरण के महत्वपूर्ण कारकों या बलों की व्याख्या करते हैं।

**a. Suppliers of Inputs:** An important factor in the external environment of a firm is the suppliers of its inputs such as raw materials and components. A smooth and efficient working of a business firm requires that it should have ensured supply of inputs such as raw materials.

If supply of raw materials is uncertain, then a firm will have to keep a large stock of raw materials to continue its transformation process uninterrupted. This will unnecessarily raise its cost of production and reduce its profit margin.

**आदानों के आपूर्तिकर्ता:** एक फर्म के बाहरी वातावरण में एक महत्वपूर्ण कारक इसके इनपुट जैसे कच्चे माल और घटकों के आपूर्तिकर्ता हैं। एक व्यावसायिक फर्म के सुचारू और कुशल संचालन के लिए आवश्यक है कि उसे कच्चे माल जैसे इनपुट की आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए। यदि कच्चे माल की आपूर्ति अनिश्चित है, तो एक फर्म को अपनी परिवर्तन प्रक्रिया को निर्बाध रूप से जारी रखने के लिए कच्चे माल का एक बड़ा स्टॉक रखना होगा। यह अनावश्यक रूप से इसकी उत्पादन लागत को बढ़ाएगा और इसके लाभ मार्जिन को कम करेगा।

**b. Customers:** The people who buy and use a firm's product and services are an important part of external micro-environment. Since sales of a product or service is critical for a firm's survival and growth, it is necessary to keep the customers satisfied. To take care of customer's sensitivity is essential for the success of a business firm.

**ग्राहक:** जो लोग फर्म के उत्पाद और सेवाओं को खरीदते हैं और उनका उपयोग करते हैं, वे बाहरी सूक्ष्म वातावरण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। चूंकि किसी उत्पाद या सेवा की बिक्री फर्म के अस्तित्व और विकास के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए ग्राहकों को संतुष्ट रखना आवश्यक है। एक व्यावसायिक फर्म की सफलता के लिए ग्राहक की संवेदनशीलता का ध्यान रखना आवश्यक है।

**c. Marketing Intermediaries:** Marketing inter-mediaries are responsible for stocking and transporting goods from their production site to their destination, that is, ultimate buyers. There are marketing service agencies such as marketing research firms, consulting firms, advertising agencies which assist a business firm in targeting, promoting and selling its products to the right markets.

**विपणन बिचौलिया:** विपणन बिचौलिये माल को उनके उत्पादन स्थल से उनके गंतव्य तक, यानी अंतिम खरीदारों तक पहुंचाने और परिवहन के लिए जिम्मेदार होते हैं। विपणन अनुसंधान फर्म, परामर्श फर्म, विज्ञापन एजेंसियां जैसी विपणन सेवा एजेंसियां हैं जो एक व्यावसायिक फर्मों को अपने उत्पादों को सही बाजारों में लक्षित करने, बढ़ावा देने और बेचने में सहायता करती हैं।

**d. Competitors:** Business firms compete with each other not only for sale of their products but also in other areas. Absolute monopolies in case of which competition is totally absent are found only in the sphere of what are called public utilities such as power distribution, telephone service, gas distribution in a city etc. More generally, market forms of monopolistic competition and differentiated oligopolies exist in the real world. In these market forms different firms in an industry compete with each other for sale of their products. This competition may be on the basis of pricing of their products. But more frequently there is non-price competition under which firms engage in competition through competitive advertising, sponsoring some events such as cricket matches for sale of different varieties and models of their products, each claiming the superior nature of its products.

**प्रतियोगी:** व्यावसायिक फर्में न केवल अपने उत्पादों की बिक्री के लिए बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करती हैं। पूर्ण एकाधिकार जिसके मामले में प्रतिस्पर्धा पूरी तरह से अनुपस्थित है, केवल सार्वजनिक उपयोगिताओं जैसे बिजली वितरण, टेलीफोन सेवा, एक शहर में गैस वितरण आदि के क्षेत्र में पाए जाते हैं। अधिक आम तौर पर, एकाधिकार प्रतियोगिता के बाजार रूप और

विभेदित कुलीन वर्ग मौजूद हैं वास्तविक दुनिया। इन बाजार रूपों में एक उद्योग में विभिन्न फर्म अपने उत्पादों की बिक्री के लिए एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह प्रतियोगिता उनके उत्पादों के मूल्य निर्धारण के आधार पर हो सकती है। लेकिन अधिक बार गैर-मूल्य प्रतियोगिता होती है जिसके तहत कंपनियां प्रतिस्पर्धी विज्ञापन के माध्यम से प्रतिस्पर्धा में संलग्न होती हैं, कुछ कार्यक्रमों को प्रायोजित करती हैं जैसे क्रिकेट मैच विभिन्न किस्मों और उनके उत्पादों के मॉडल की बिक्री के लिए, प्रत्येक अपने उत्पादों की बेहतर प्रकृति का दावा करते हैं।

**e. Publics:** Finally, publics are an important force in external micro environment. Public, according to Philip Kotler “is any group that has an actual or potential interest in or impact on a company’s ability to achieve its objective”. Environmentalists, media groups, women associations, consumer protection groups, local groups, citizens associations are some important examples of publics which have an important bearing on environment of the firms.

**जनता:** अंत में, बाहरी सूक्ष्म वातावरण में जनता एक महत्वपूर्ण शक्ति है। पब्लिक, फिलिप कोटलर के अनुसार “कोई भी समूह है जिसका वास्तविक या संभावित हित है या कंपनी के अपने उद्देश्य को प्राप्त करने की क्षमता पर प्रभाव पड़ता है”। पर्यावरणविद, मीडिया समूह, महिला संघ, उपभोक्ता संरक्षण समूह, स्थानीय समूह, नागरिक संघ जनता के कुछ महत्वपूर्ण उदाहरण हैं जिनका फर्मों के पर्यावरण पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

## **2. Macro-environmental factors are classified into/समष्टि पर्यावरण:**

**a. Economic Environment:** Economic environment includes the type of economic system that exists in the economy, the nature and structure of the economy, the phase of the business cycle (for example, the conditions of boom or recession), the fiscal, monetary and financial policies of the Government, foreign trade and foreign investment policies of the government. These economic policies of the government present both the opportunities as well as the threats (i.e. restrictions) for the business firms. Now, there have been significant changes in the economic policies since 1991 which have changed the macroeconomic environment for private sector firms. Far-reaching structural economic reforms were carried out by Dr. Manmohan singh during the period 1991-96 when he was the finance minister. Industrial licensing has been abolished and private sector can now invest and produce many industrial products without getting license from the government.

**आर्थिक वातावरण :** आर्थिक वातावरण में अर्थव्यवस्था में मौजूद आर्थिक प्रणाली का प्रकार, अर्थव्यवस्था की प्रकृति और संरचना, व्यापार चक्र का चरण (उदाहरण के लिए, उछाल या मंदी की स्थिति), सरकार की वित्तीय, मौद्रिक और वित्तीय नीतियां शामिल हैं। , विदेश व्यापार और सरकार की विदेशी निवेश नीतियां। सरकार की ये आर्थिक नीतियां व्यावसायिक फर्मों के लिए अवसरों के साथ-साथ खतरों (अर्थात प्रतिबंध) दोनों को प्रस्तुत करती हैं। आर्थिक व्यवस्था का प्रकार, यानी समाजवादी, पूंजीवादी या मिश्रित संस्थागत ढांचा प्रदान करता है जिसके भीतर व्यावसायिक फर्म को काम करना होता है। उदाहरण के लिए, १९९१ से पहले, भारतीय आर्थिक व्यवस्था एक मिश्रित अर्थव्यवस्था के प्रकार की थी जिसका स्पष्ट अभिविन्यास सार्वजनिक क्षेत्र की ओर था। 1991 से पहले भारत की मिश्रित अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र की भूमिका काफी प्रतिबंधित थी। कई उद्योग सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा विशेष रूप से निवेश और उत्पादन के लिए आरक्षित थे।

**b. Social and Cultural Environment:** Members of a society wield important influence over business firms. People these days do not accept the activities of business firms without

question. Activities of business firms may harm the physical environment and impose heavy social costs. Besides, business practices may violate cultural ethos of a society. For example, advertisement by business firms may be nasty and hurt the ethical sentiments of the people. Businesses should consider the social implications of their decisions. This means that companies must seriously consider the impact of its actions on the society. When a business firm in their decision-making take care of social interests, it is said to be socially responsible.

**सामाजिक और सांस्कृतिक वातावरण:** एक समाज के सदस्य व्यावसायिक फर्मों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं। लोग इन दिनों व्यावसायिक फर्मों की गतिविधियों को बिना किसी प्रश्न के स्वीकार नहीं करते हैं। व्यावसायिक फर्मों की गतिविधियाँ भौतिक पर्यावरण को नुकसान पहुँचा सकती हैं और भारी सामाजिक लागत लगा सकती हैं। इसके अलावा, व्यावसायिक प्रथाएं किसी समाज के सांस्कृतिक लोकाचार का उल्लंघन कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, व्यावसायिक फर्मों द्वारा विज्ञापन बुरा हो सकता है और लोगों की नैतिक भावनाओं को आहत कर सकता है। व्यवसायों को अपने निर्णयों के सामाजिक निहितार्थों पर विचार करना चाहिए। इसका मतलब है कि कंपनियों को समाज पर अपने कार्यों के प्रभाव पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। जब कोई व्यावसायिक फर्म अपने निर्णय लेने में सामाजिक हितों का ध्यान रखती है, तो उसे सामाजिक रूप से जिम्मेदार कहा जाता है।

**c. Political and Legal Environment:** Businesses are closely related to the government. The political philosophy of the government wields a great influence over business policies. For example, after independence under the leadership of Jawahar Lal Nehru India adopted 'democratic socialism as its goal. In the economic sphere it implied that public sector was to play a vital role in India's economic development. Besides, it required that working of the private sector were to be controlled by a suitable industrial policy of the government. In this political framework provide business firms worked under various types of regulatory policies which sought to influence the directions in which private business enterprises had to function. Thus, Industrial Regulation Act 1951, Industrial Policy Resolution 1956, Foreign Exchange Regulation Act (FERA), Monopolistic and Restrictive Practices (MRTP) Act were passed to control the business activities of the private sector. Besides, role of foreign direct investment was restricted to only few spheres.

**राजनीतिक और कानूनी वातावरण :** व्यवसाय सरकार से घनिष्ठ रूप से संबंधित हैं। सरकार का राजनीतिक दर्शन व्यावसायिक नीतियों पर बहुत प्रभाव डालता है। उदाहरण के लिए, स्वतंत्रता के बाद जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में भारत ने 'लोकतांत्रिक समाजवाद को अपने लक्ष्य के रूप में अपनाया। आर्थिक क्षेत्र में इसका तात्पर्य था कि सार्वजनिक क्षेत्र को भारत के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी थी। इसके अलावा, यह आवश्यक था कि निजी क्षेत्र के कामकाज को सरकार की उपयुक्त औद्योगिक नीति द्वारा नियंत्रित किया जाए। इस राजनीतिक ढांचे में विभिन्न प्रकार की नियामक नीतियों के तहत काम करने वाली व्यावसायिक फर्में प्रदान करती हैं, जो उन दिशाओं को प्रभावित करने की मांग करती हैं जिनमें निजी व्यावसायिक उद्यमों को कार्य करना होता है। इस प्रकार, औद्योगिक विनियमन अधिनियम 1951, औद्योगिक नीति संकल्प 1956, विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम (FERA), एकाधिकार और प्रतिबंधात्मक व्यवहार (MRTP) अधिनियम निजी क्षेत्र की व्यावसायिक गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए पारित किए गए थे। इसके अलावा, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की भूमिका केवल कुछ क्षेत्रों तक ही सीमित थी।

**d. Technological Environment:** The nature of technology used for production of goods and services is an important factor responsible for the success of a business firm. Technology

consists of the type of machines and processes available for use by a firm and the way of doing things. The improvement in technology raises total factor productivity of a firm and reduces unit cost of output. The use of a superior technology by a firm gives it a competitive advantage over its rival firms. The use of a particular technology by a firm for its transformation process determines its competitive strength. In this age of globalisation, the firms have to compete in the international markets for sales of their products. The firms which use outdated technologies cannot compete globally. Therefore, technological development plays a vital role in enhancing the competitive strength of business firms.

**तकनीकी वातावरण :** वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए उपयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकी की प्रकृति एक व्यावसायिक फर्म की सफलता के लिए जिम्मेदार एक महत्वपूर्ण कारक है। प्रौद्योगिकी में एक फर्म द्वारा उपयोग के लिए उपलब्ध मशीनों और प्रक्रियाओं के प्रकार और चीजों को करने का तरीका शामिल है। प्रौद्योगिकी में सुधार एक फर्म की कुल कारक उत्पादकता बढ़ाता है और उत्पादन की इकाई लागत को कम करता है। एक फर्म द्वारा एक बेहतर तकनीक का उपयोग उसे अपनी प्रतिद्वंद्वी फर्मों पर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ देता है। एक फर्म द्वारा अपनी परिवर्तन प्रक्रिया के लिए एक विशेष तकनीक का उपयोग इसकी प्रतिस्पर्धी ताकत को निर्धारित करता है। वैश्वीकरण के इस युग में फर्मों को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है। पुरानी तकनीकों का उपयोग करने वाली फर्में विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकती हैं। इसलिए, व्यावसायिक फर्मों की प्रतिस्पर्धी ताकत बढ़ाने में तकनीकी विकास महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

**e. Demographic Environment:** Demographic environment includes the size and growth of population, life expectancy of the people, rural-urban distribution of population, the technological skills and educational levels of labour force. All these demographic features have an important bearing on the functioning of business firms. Since new workers are recruited from outside the firm, demographic factors are considered as parts of external environment. The skills and ability of a firm's workers determine to a large extent how well the organisation can achieve its mission. The labour force in a country is always changing. This will cause changes in the work force of a firm. The business firms have to adjust to the requirements of their employees. They have also to adapt themselves to their child care services, labour welfare programmes etc. The demographic environment affects both the supply and demand sides of business organisations. Firms obtain their working force from the outside labour force. The technical and education skills of the workers of a firm are determined mostly by human resources available in the economy which are a part of demographic environment.

**जनसांख्यिकीय वातावरण:** जनसांख्यिकीय वातावरण में जनसंख्या का आकार और वृद्धि, लोगों की जीवन प्रत्याशा, जनसंख्या का ग्रामीण-शहरी वितरण, तकनीकी कौशल और श्रम शक्ति के शैक्षिक स्तर शामिल हैं। इन सभी जनसांख्यिकीय विशेषताओं का व्यावसायिक फर्मों के कामकाज पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। चूंकि नए कर्मचारियों को फर्म के बाहर से भर्ती किया जाता है, जनसांख्यिकीय कारकों को बाहरी वातावरण के हिस्से के रूप में माना जाता है। एक फर्म के कर्मचारियों के कौशल और क्षमता काफी हद तक निर्धारित करते हैं कि संगठन अपने मिशन को कितनी अच्छी तरह प्राप्त कर सकता है। किसी देश में श्रम शक्ति हमेशा बदलती रहती है। इससे एक फर्म के कार्यबल में परिवर्तन होगा। व्यावसायिक फर्मों को अपने कर्मचारियों की आवश्यकताओं के अनुकूल होना पड़ता है। उन्हें अपनी बाल देखभाल सेवाओं, श्रम कल्याण कार्यक्रमों आदि के लिए भी खुद को अनुकूलित करना होगा। जनसांख्यिकीय वातावरण व्यावसायिक संगठनों की आपूर्ति और मांग दोनों पक्षों को प्रभावित करता है।

फर्म अपनी कार्य शक्ति बाहरी श्रम शक्ति से प्राप्त करती हैं। एक फर्म के श्रमिकों के तकनीकी और शिक्षा कौशल ज्यादातर अर्थव्यवस्था में उपलब्ध मानव संसाधनों द्वारा निर्धारित किए जाते हैं जो जनसांख्यिकीय वातावरण का एक हिस्सा हैं।

**f. Natural Environment:** Natural environment is the ultimate source of many inputs such as raw materials, energy which business firms use in their productive activity. In fact, availability of natural resources in a region or country is a basic factor in determining business activity in it. Natural environment which includes geographical and ecological factors such as minerals and oil reserves, water and forest resources, weather and climatic conditions, port facilities are all highly significant for various business activities. For example, the availability of minerals such as iron, coal etc. in a region influence the location of certain industries in that region. Thus, the industries with high material contents tend to be located near the raw material sources. For example, steel producing industrial units are set up near coal mines to save cost of transporting coal to distant locations. Besides, certain weather and climatic conditions also affect the location of certain business units. For example, in India the firms producing cotton textiles are mostly located in Bombay, Madras, and West Bengal where weather and climatic conditions are conducive to the production of cotton textiles. Natural environment also affects the demand for goods. For example, in regions where there is high temperature in summer there is a good deal of demand for dessert coolers, air conditioners, business firms set up industrial units producing these products. Similarly, weather and climatic conditions influence the demand pattern for clothing, building materials for housing etc. Furthermore, weather and climatic conditions require changes in design of products, the type of packaging and storage facilities.

**प्राकृतिक वातावरण:** प्राकृतिक पर्यावरण कच्चे माल, ऊर्जा जैसे कई इनपुट का अंतिम स्रोत है, जिसका उपयोग व्यावसायिक फर्म अपनी उत्पादक गतिविधि में करते हैं। वास्तव में, किसी क्षेत्र या देश में प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता उसमें व्यावसायिक गतिविधि निर्धारित करने का एक बुनियादी कारक है। प्राकृतिक पर्यावरण जिसमें भौगोलिक और पारिस्थितिक कारक शामिल हैं जैसे खनिज और तेल भंडार, जल और वन संसाधन, मौसम और जलवायु की स्थिति, बंदरगाह सुविधाएं सभी विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए, किसी क्षेत्र में खनिजों जैसे लोहा, कोयला आदि की उपलब्धता उस क्षेत्र में कुछ उद्योगों के स्थान को प्रभावित करती है। इस प्रकार, उच्च सामग्री सामग्री वाले उद्योग कच्चे माल के स्रोतों के पास स्थित होते हैं। उदाहरण के लिए, इस्पात उत्पादन करने वाली औद्योगिक इकाइयाँ कोयला खदानों के पास स्थापित की जाती हैं ताकि कोयले को दूर के स्थानों तक पहुँचाने की लागत को बचाया जा सके। इसके अलावा, कुछ मौसम और जलवायु परिस्थितियाँ कुछ व्यावसायिक इकाइयों के स्थान को भी प्रभावित करती हैं। उदाहरण के लिए, भारत में सूती वस्त्रों का उत्पादन करने वाली फर्में ज्यादातर बॉम्बे, मद्रास और पश्चिम बंगाल में स्थित हैं, जहाँ मौसम और जलवायु परिस्थितियाँ सूती वस्त्रों के उत्पादन के लिए अनुकूल हैं। प्राकृतिक पर्यावरण भी वस्तुओं की मांग को प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए, उन क्षेत्रों में जहाँ गर्मियों में उच्च तापमान होता है, वहाँ डेजर्ट कूलर, एयर कंडीशनर की अच्छी मांग होती है, व्यावसायिक फर्म इन उत्पादों का उत्पादन करने वाली औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित करती हैं। इसी तरह, मौसम और जलवायु की स्थिति कपड़ों, आवास के लिए निर्माण सामग्री आदि की मांग के पैटर्न को प्रभावित करती है। इसके अलावा, मौसम और जलवायु परिस्थितियों के लिए उत्पादों के डिजाइन, पैकेजिंग के प्रकार और भंडारण सुविधाओं में बदलाव की आवश्यकता होती है।



**g. Ecological Effects of Business:** Until recently businesses had generally overlooked the serious ecological effects of its activities. Driven purely by the motive of maximizing profits, they cause irreparable damage to the exhaustible natural resources, especially minerals and forests. By their careless attitude they caused pollution of environment, especially air and water which posed health hazards for the people. Accordingly, laws have been passed for conservation of natural resources and prevention of environment pollution. These laws have imposed additional responsibilities and costs for business firms. But it is socially desirable that these costs are borne by business firms if we want sustainable economic growth and also healthy environment for human beings.

**व्यवसाय के पारिस्थितिक प्रभाव:** कुछ समय पहले तक व्यवसायों ने आम तौर पर अपनी गतिविधियों के गंभीर पारिस्थितिक प्रभावों की अनदेखी की थी। विशुद्ध रूप से मुनाफे को अधिकतम करने के मकसद से प्रेरित, वे संपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों, विशेष रूप से खनिजों और जंगलों को अपूरणीय क्षति पहुंचाते हैं। अपने लापरवाह रवैये से उन्होंने पर्यावरण, विशेष रूप से हवा और पानी को प्रदूषित किया, जो लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहा था। तदनुसार, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरण प्रदूषण की रोकथाम के लिए कानून पारित किए गए हैं। इन कानूनों ने व्यावसायिक फर्मों के लिए अतिरिक्त जिम्मेदारियां और लागतें लगाई हैं। लेकिन यह सामाजिक रूप से वांछनीय है कि यदि हम स्थायी आर्थिक विकास और मानव के लिए स्वस्थ वातावरण चाहते हैं तो इन लागतों को व्यावसायिक फर्मों द्वारा वहन किया जाता है।